गेल डी० ए० वी० पब्लिक स्कूल

गेलगाँव दिबियापुर

विषय- हिंदी **कक्षा - 7**

पाठ-1 'बारहमासा' **पूर्णांक- 25 अंक**

खण्ड 'क'

1	निम्नलिखित पठित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।	5
	सावन की शोभा न्यारी हरियाली के ठाठ हैं। नदी सरोवर छलक रहे डूब गए सब घाट हैं पता न चलता तारों का जाने कहां मयंक है झाँक नहीं पाता सूरज भादों का आतंक है।	
क	'पता न चलता तारों का, जाने कहां मयंक है' पंक्ति से हमें कौन सा प्राकृतिक परिप्रेक्ष्य समझ में आता है? A. रात में आसमान साफ़ है और चाँद और सितारे दिखाई दे रहे हैं। B. मौसम ऐसा है कि आकाश ढका हुआ है, शायद बादल हैं और दृष्टि बाधित है। C. सूरज की रोशनी बहुत तेज़ है। D. तारों और चाँद का अस्तित्व ही नहीं है।	1
ख	'झाँक नहीं पाता सूरज, भादों का आतंक है' पंक्ति से क्या निष्कर्ष निकलता है? A. सूरज पूरी तरह अस्त हो गया है। B. बादलों और बारिश की अधिकता के कारण सूर्य की किरणें नहीं पहुँच पा रही हैं। C. सूरज की गर्मी कम हो गई है। D. सूरज और भादों का कोई संबंध नहीं है।	1
ग	कविता की संपूर्ण पृष्ठभूमि और स्वर को देखकर क्या अनुमान लगाया जा सकता है? A. यह कविता गर्मी के मौसम का वर्णन करती है।	1

	B. यह कविता सावन के मौसम की हरियाली, जलवृद्धि और बादलों के प्रभाव को दर्शाती है। C. यह कविता सर्दियों के मौसम का चित्रण करती है। D. यह कविता शुष्क और मरुस्थलीय क्षेत्र का अनुभव कराती है।	
घ	कविता में 'नदी सरोवर छलक रहे, डूब गए सब घाट हैं' पंक्ति का सबसे उपयुक्त भावार्थ क्या है? A. नदी-नाले पूरी तरह सूख गए हैं। B. सावन में जलस्तर बढ़ गया है और बाढ़ जैसी स्थिति है। C. नदी-नाले पूरी तरह साफ हैं। D. घाट पर लोग ज्यादा हैं।	1
ङ	यदि आप 'सावन की शोभा न्यारी' कविता का पर्यावरणीय दृष्टिकोण से मूल्यांकन करें तो कौन सा विचार सबसे उपयुक्त होगा? A. प्राकृतिक संसाधनों की उपेक्षा। B. जल, हरियाली और वर्षा की महत्ता तथा मौसम परिवर्तन का अनुभव। C. पर्वतीय क्षेत्रों की सुंदरता। D. सूरज की ऊर्जा का महत्व।	1
2-	पाठ पर आधारित प्रश्नों के उत्तर 25 से 30 शब्दों में दीजिए ।	2×3=6
क	वर्षा ऋतु में प्राकृतिक दृश्य कैसा दिखाई देता है?	2
ख	ग्रीष्म ऋतु में प्रकृति तथा मौसम में क्या बदलाव आते हैं?	2
ग	शीत ऋतु का प्रभाव किन-किन भारतीय महीनों में रहता है?	2
	खण्ड 'ख' व्यावहारिक व्याकरण	
3	निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए। क) फुलझड़ी ख) जलधारा	2
4	अल्पप्राण एवं महाप्राण व्यंजनों के संयोग से निर्मित होने वाले दो शब्द लिखिए।	2
5	उपयुक्त शब्द द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए। क) जिन व्यंजनों के उच्चारण में हवा कम मात्रा में निकलती है उन्हें,..... व्यंजन कहते हैं। ख) जिन व्यंजनों के उच्चारण में हवा अधिक मात्रा में निकलती है उन्हें,..... व्यंजन कहते हैं।	2
6	नीचे दिए गए शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए।	2

	क)मोसम ख)नियारी	
7	निम्नलिखित शब्दों में दो व्यंजनों का संयोग है या तीन व्यंजनों का? समझकर बताइए। ज्योत्स्ना	1
	खण्ड 'ग'	
8	निम्नलिखित अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अनुशासन का अर्थ है–नियमों का पालन करना और अपने व्यवहार पर नियंत्रण रखना। विद्यार्थी जीवन में इसका महत्व और भी बढ़ जाता है क्योंकि यही वह समय है जब चरित्र की नींव पड़ती है। दुर्भाग्यवश, आजकल छात्रों में अनुशासनहीनता की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। विद्यालयों में शिक्षकों का अनादर क'ना, पढ़ाई के प्रति लापरवाही और कक्षा में शोर मचाना इसके कुछ प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। इस अनुशासनहीनता के कई कारण हो सकते हैं। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में अभिभावक बच्चों को पर्याप्त समय नहीं दे पाते' जिससे बच्चे स्वयं को उपेक्षित महसूस करते हैं और गलत रास्तों पर चल पड़ते हैं १। इसके अलावा, इंटरनेट और सोशल मीडिया का दुरुपयोग भी छात्रों को उनके लक्ष्य से "टका रहा है। वे पढ़ाई से ज्यादा आभासी दुनिया में समय बिताना पसंद करते हैं। अनुशासन का अभाव न केवल छात्र के शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित करता है, बल्कि उसके व्यक्तित्व विकास में भी बाधा डालता है। यदि छात्र समय की कीमत नहीं समझेंगे और अपने बड़ों के मार्गदर्शन की अवहेलना करेंगे, तो वे भविष्य की चुनौतियों का सामना नहीं कर पाएँगे। एक अनुशासित छात्र ही समाज और राष्ट्र के निर्माण में अपना बहुमूल्य योगदान दे सकता है।	5
1	छात्रों में अनुशासनहीनता बढ़ने का एक प्रमुख कारण क्या बताया गया है? (क) बहुत अधिक खेल-कूद करना। (ख) इंटरनेट और सोशल मीडिया का गलत इस्तेमाल। (ग) विद्यालय में बहुत अधिक छुट्टियाँ होना। (घ) कठिन पाठ्यपुस्तकें होना।	1
2	'उपेक्षित' महसूस करने का क्या अर्थ है? (क) बहुत अधिक खुश होना। (ख) ध्यान न दिए जाने के कारण अकेलापन महसूस करना। (ग) कक्षा में प्रथम आना। (घ) बहुत अधिक अनुशासित होना।	1
3	नीचे दिए गए कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर सही विकल्प चुनें:	1

	कथन (A): अनुशासनहीन छात्र भविष्य की चुनौतियों का सामना करने में असमर्थ हो सकते हैं। कारण (R): अनुशासन का अभाव व्यक्ति के मानसिक और व्यक्तित्व विकास में बाधा डालता है। (क) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है। (ख) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है। (ग) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है। (घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।	
4	गद्यांश के आधार पर बताइए कि यदि कोई छात्र कक्षा में लगातार अनुशासनहीनता कर रहा है, तो इससे उसके 'शैक्षणिक प्रदर्शन' पर क्या प्रभाव पड़ेगा और क्यों?	2

गेल डी० ए० वी० पब्लिक स्कूल

गेलगाँव दिबियापुर

विषय- हिंदी **कक्षा - 7**

पाठ-2 'नाटक में नाटक' **पूर्णांक- 25 अंक**

खण्ड 'क'

1	निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।	5
	बात राकेश ने बहुत सँभाल ली थी। पर्दे की आड़ में खड़े अन्य साथी मन ही मन राकेश की तुरंत बुद्धि की प्रशंसा कर रहे थे। सब दर्शक शांत थे, भौंचक्के थे। वे सोच रहे थे यह क्या हो गया! वे तो समझ रहे थे कि नाटक बिगड़ गया, मगर यहाँ तो नाटक में ही नाटक था। उसका रिहर्सल ही नाटक था। मानो इस नाटक में नाटक की तैयारी की कठिनाइयों और कमज़ोरी को ही दिखाया गया था। राकेश कह रहा था देखिए हमारे नाटक का नाम है- 'बड़ा कलाकार' और बड़ा कलाकार वह है जो दूसरे की त्रुटियों को नहीं अपनी त्रुटियों को देखे और सुधारे। आइए अब हम फिर से रिहर्सल शुरू करते हैं तभी राकेश के इशारे पर पर्दा गिर गया। दर्शक नाटक की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए अपने घर चले गए।	
क	राकेश की 'तुरंत बुद्धि' से आप क्या समझते हैं? A. वह पहले से सब कुछ योजना बनाकर चलता है B. वह स्थिति के अनुसार तुरंत सही निर्णय ले लेता है C. वह दूसरों की बात नहीं सुनता D. वह केवल अभिनय में अच्छा है	1
ख	दर्शकों को 'नाटक में ही नाटक' क्यों लगा? A. क्योंकि नाटक बहुत लंबा था B. क्योंकि नाटक में कोई संवाद नहीं था C. क्योंकि रिहर्सल की स्थिति को ही नाटक का हिस्सा बना दिया गया D. क्योंकि कलाकार मंच पर नहीं आए	1
ग	राकेश के अनुसार सच्चा कलाकार कौन होता है?	1

	A. जो दूसरों की गलतियाँ ढूँढता है B. जो मंच पर ज्यादा समय बिताता है C. जो अपनी गलतियों को पहचानकर सुधारता है D. जो सबसे ज्यादा संवाद बोलता है	
घ	यदि राकेश घबराकर कुछ न करता, तो सबसे संभावित परिणाम क्या होता? A. नाटक और अधिक सफल हो जाता B. दर्शक और खुश हो जाते C. नाटक बिगड़ जाता और दर्शक निराश हो जाते D. कोई फर्क नहीं पड़ता	1
ङ	इस गद्यांश से हमें मुख्य रूप से क्या सीख मिलती है? A. केवल अभ्यास ही सबसे महत्वपूर्ण है B. दूसरों की आलोचना करना जरूरी है C. कठिन परिस्थिति में सूझबूझ और आत्म-सुधार महत्वपूर्ण है D. नाटक हमेशा मनोरंजन के लिए होता है	1
2-	पाठ पर आधारित प्रश्नों के उत्तर 25 से 30 शब्दों में दीजिए ।	2×3=6
क	राकेश को नए साथियों के साथ नाटक का रिहर्सल करने में किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा? संक्षेप में वर्णन कीजिए।	2
ख	मंच पर कलाकारों के संवाद भूल जाने पर राकेश ने स्थिति को किस प्रकार संभाला? अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।	2
ग	इस प्रसंग के आधार पर राकेश के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं का पता चलता है? उदाहरण सहित संक्षेप में लिखिए।	2
	खण्ड 'ख' व्यावहारिक व्याकरण	
3	निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए। क) मोहल्ला ख) कठिनाई	2
4	निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार लगाकर लिखिए। क) आनद ख) सगीतकार	2
5	निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुनासिक लगाकर लिखिए। क) कापना ख) महगा	2

6	निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ सहित वाक्य प्रयोग कीजिए। कोल्हू का बैल होना	2
7	उचित वर्णों से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए। पंचम वर्ण हैं-....,...,.....,.....,.... ।	1
	खण्ड 'ग'	
8	अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आर्य समाज की स्थापना 1875 में स्वामी दयानंद सरस्वती ने की थी। यह केवल एक धार्मिक आंदोलन नहीं था, बल्कि इसने भारतीय समाज के पुनर्निर्माण में एक क्रांतिकारी भूमिका निभाई। 'वेदों की ओर लौटो' का नारा देकर स्वामी दयानंद ने अंधविश्वासों, मूर्ति पूजा और जातिवाद जैसी कुरीतियों पर कड़ा प्रहार किया। आर्य समाज ने समाज के वंचित वर्गों को सशक्त बनाने के लिए समानता का संदेश फैलाया। शिक्षा के क्षेत्र में आर्य समाज का योगदान अतुलनीय है। उन्होंने 'दयानंद एंग्लो-वैदिक' (DAV) विद्यालयों और गुरुकुलों की स्थापना की, जहाँ आधुनिक विज्ञान और पश्चिमी शिक्षा के साथ-साथ भारतीय वैदिक मूल्यों का संगम देखने को मिलता है। स्त्रियों की दशा सुधारने के लिए उन्होंने स्त्री-शिक्षा और विधवा-विवाह का पुरजोर समर्थन किया। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भी आर्य समाज के विचारों ने राष्ट्रवाद की भावना को प्रज्वलित किया। लाला लाजपत राय जैसे महान क्रांतिकारी इसी विचारधारा से प्रेरित थे। आर्य समाज ने सिद्ध किया कि धर्म का वास्तविक अर्थ केवल कर्मकांड नहीं, बल्कि समाज की सेवा और सत्य का मार्ग अपनाना है। आज भी यह संस्था अपने आदर्शों के माध्यम से समाज को नई दिशा दे रही है।	5
1	स्वामी दयानंद सरस्वती के 'वेदों की ओर लौटो' नारे का वास्तविक उद्देश्य क्या था? (क) आधुनिक विज्ञान का विरोध करना। (ख) समाज को अपनी मूल संस्कृति और तार्किक ज्ञान की ओर ले जाना। (ग) केवल संस्कृत भाषा का प्रचार करना। (घ) विदेशी व्यापार को बढ़ावा देना।	1
2	नीचे दिए गए कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर सही विकल्प चुनें: कथन (A): आर्य समाज को एक समाज सुधारक आंदोलन माना जाता है। कारण (R): इसने जातिवाद, छुआछूत और स्त्री-अशिक्षा जैसी सामाजिक बुराइयों के विरुद्ध निरंतर संघर्ष किया। (क) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है। (ख) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।	1

	(ग) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है। (घ) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।	
3	गद्यांश के अनुसार, आर्य समाज ने राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम को किस प्रकार प्रभावित किया? (क) सीधे युद्ध में भाग लेकर। (ख) युवाओं में राष्ट्रवाद और स्वाभिमान की भावना जगाकर। (ग) केवल आर्थिक सहायता प्रदान करके। (घ) विदेशी भाषाओं के प्रयोग पर प्रतिबंध लगाकर।	1
4	"आर्य समाज ने स्त्री-शिक्षा और सामाजिक समानता के लिए मार्ग प्रशस्त किया।" गद्यांश के आधार पर तर्क दीजिए कि यदि यह आंदोलन न होता, तो तत्कालीन समाज पर क्या प्रभाव पड़ता?	2